

खबर संक्षेप



हरे परिधानों से सुसज्जित महिलाओं ने मनाया तीज का पर्व

शहडोल। वैश्य महासम्मेलन जिला महिला इकाई शहडोल के तत्वावधान में हरियाली तीज का उत्सव मनाया गया। आयोजन में सभी महिलाओं ने हरे रंग के वस्त्र पहने हुए थे । हरे परिधानों से सुसज्जित महिलाओं ने तीज उत्सव मनाते हुए नृत्य गायन एवं कविता आदि प्रस्तुत किया । इस अवसर पर महिलाओं ने सामूहिक नृत्य भी किया। कार्यक्रम में महिला इकाई की संभाजीय अध्यक्ष शशि गुप्ता , जिला प्रमारी निर्मला गुप्ता, जिला अध्यक्ष शोभा गुप्ता , महामंत्री सुनीता गुप्ता, शशि गुप्ता, आरती गुप्ता, वर्षा गुप्ता , अलका गुप्ता , अनुपमा गुप्ता , ललिता गुप्ता , अंगुष्मा गुप्ता , ललित गुप्ता , आरती गुप्ता, मंजू, मधु, सुष्मा, अवधरानी, सीता, मीनाक्षी, वीणा, शिल्पा, शालिनी, श्रद्धा, शर्मिली, मयूला, कमला, अनिता, आशा आदि आदि बहने उपस्थित रहीं।

एसडीएम ने पटवारी आशीष सोनकर को किया निलंबित



शहडोल। आशीष सोनकर तत्कालीन पटवारी हल्का चांपा वर्तमान पटवारी हल्का पतखई / बसुरा व्दारा पटवारी हल्का चांपा में पदस्थ रहने के दौरान जमीन संबंधी काम कराने एवं जाति प्रमाण-पत्र बनवाने के एवज में आशीष सोनकर पटवारी में 20 हजार रुपये की रश्वत मांगने 15 हजार रुपये नकद प्राप्त करना तथा अश्लील हरकत के कारण शिकायतकर्ता व्दारा कलेक्टर के समक्ष की गई शिकायत पर इस कार्रवाई के पत्र क्रमांक 940 दिनांक 24 अगस्त को कारण बताओ नोटिस जारी कर जबाब माहा गया, किन्तु उनके व्दारा जबाब प्रस्तुत न करने पर यह प्रतीत होता है कि शिकायतकर्ता द्वारा की गई शिकायत की पुष्टि होती है। पटवारी द्वारा अपने पदवी दस्तियों के निर्वहन में घोर लापरवाही एवं स्वेच्छाचरिता स्पष्ट परिलक्षित होती है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग द्वारा मध्य प्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम, 1966 के नियम-9 के तहत आशीष सोनकर, पटवारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है, और निलंबन अवधि के दौरान मुख्यालय तहसील सोहागपुर निर्धारित किया जाता है तथा जीवन निर्वाह भते की नियमानुसार पात्रता होगी।

एसडीएम ने 7 पटवारियों को जारी किया नोटिस

शहडोल। कलेक्टर पार्थ जायसवाल के निर्देशन में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व विभाग श्रीमती अमृता गर्ग ने फार्मर रजिस्ट्री में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर पटवारी हल्का खेतौली श्रीमती चित्रा धर्मा, पटवारी हल्का हरन-98 राजेश्वर मेहरा, पटवारी हल्का मानपुर-105 श्री निलेश पांडे, पटवारी हल्का बिरुहली सूर्यमानु सिंह, पटवारी हल्का कठकोना श्रीमती ज्योति मिश्रा, पटवारी हल्का छता श्री सुजाता श्रीवास्तव, पटवारी हल्का खोह रफीक खान को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिवस में जबाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अमृता गर्ग ने फार्मर आईडी के कार्य में लगाई गई इट्यूटी में अनुपरिचय होने पर वाम पंचायत बरुका, कंवणपुर, हर्रा टोला,नवलपुर, पंचवाम, सिंदूरी, श्यामडीह, गोरतरा के सचिवों एवं रोजगार सहायको का एक - एक दिन का वेतन काटने के आदेश जारी किया है।

शासकीय जंगल की जमीन के फर्जी व्यवस्थापन और बिक्री का आरोप



को लेकर कमिश्नर को शिकायत आवेदन सौंपकर पूरे प्रकरण की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायत के अनुसार गोहपारू तहसील के ग्राम उमरिया स्थित खसरा नंबर 703/4 की करीब 27.44 हेक्टेयर भूमि शासकीय जंगल मद की बताई गई है। आरोप है कि इस भूमि के एक हिस्से, करीब 2.004 हेक्टेयर का नियम विरुद्ध तरीके से श्रीमती सारिका प्रकाश के नाम व्यवस्थापन कर दिया गया। शिकायतकर्ता का दावा है कि व्यवस्थापन के बाद भी मूल खसरे में भूमि का रकबा 27.44 हेक्टेयर ही दर्ज रहा और अलग से खसरा नंबर 703/5 दर्ज किया गया।शिकायत में आगे

विराट भूमि

शिकायतों में अमद् व्यवहार और भय का आरोप, विधायक के पत्र से सामने आया मामला

महिला नोडल अधिकारी के तबादले के लिए विधायकों को लिखना पड़ रहा पत्र, उठे कई गंभीर सवाल

संलग्न पत्र को लेकर भी खड़े हुए सवाल

शहडोल। आजीविका मिशन की महिला स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की शिकायतों के बाद महिला नोडल अधिकारी के स्थानांतरण का मामला अब राजनीतिक और प्रशासनिक सवालों के घेरे में आ गया है। ब्योहारी विधायक शरद जुगलाल कोल ने कलेक्टर शहडोल को पत्र लिखकर नोडल अधिकारी श्रीमती पूजा दीक्षित को अन्य ब्लॉक में स्थानांतरित किए जाने का आग्रह किया है। दस्तावेजों में महिलाओं द्वारा अभद्र व्यवहार, मानसिक दबाव और विभागीय कार्रवाई का भय दिखाए जाने जैसे आरोप लगाए गए हैं। हालांकि आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जांच के बाद ही संभव होगी।आजीविका मिशन के महिला स्व-सहायता समूहों से जुड़ा यह विवाद अब केवल एक अधिकारी और कुछ शिकायतकर्ता महिलाओं के बीच का मामला नहीं रह गया है, बल्कि इसने पूरे प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर एक महिला नोडल अधिकारी के स्थानांतरण के लिए निर्वाचित जनप्रतिनिधि को कलेक्टर के नाम पत्र लिखकर हस्तक्षेप क्यों करना पड़ रहा है? मध्यप्रदेश विधानसभा के आधिकारिक रिकॉर्ड में शरद जुगलाल कोल ब्योहारी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक के रूप में दर्ज हैं।

महिलाओं की शिकायत पर मांगा गया तबादला

विधायक शरद जुगलाल कोल ने 23 अगस्त 2026 को कलेक्टर शहडोल को पत्र लिखकर श्रीमती पूजा दीक्षित, नोडल अधिकारी, मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को शिकायत के आधार पर अन्य ब्लॉक में स्थानांतरित किए जाने का आग्रह किया है। पत्र में लिखा गया है कि आजीविका मिशन अंतर्गत महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा नोडल अधिकारी के कार्य-व्यवहार को लेकर शिकायतें प्राप्त हुई हैं। शिकायतों में वर्ष 2015 से जयसिंहनगर ब्लॉक में कार्यरत होने तथा महिलाओं द्वारा अभद्र व्यवहार, मानसिक दबाव और विभागीय कार्रवाई का भय दिखाए जाने का उल्लेख किया गया है। विधायक ने अपने पत्र में कहा है कि शिकायतों को देखते हुए अधिकारी का स्थानांतरण अन्यत्र किए जाने की कार्रवाई की जाए, ताकि महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाएं भयमुक्त वातावरण में कार्य कर सकें।



भय के माहौल पर उठ रहे गंभीर

सवाल

यहीं से मामला और गंभीर हो जाता है। यदि विधायक के पत्र में दर्ज आरोपों को आधार माना जाए तो सवाल यह है कि विभाग में ऐसा कौन सा वातावरण बन गया है, जहां महिला स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को अपने ही विभाग की महिला अधिकारी से भय महसूस होने का आरोप लगाना पड़ रहा है? और यदि वास्तव में भय का माहौल है तो जिला स्तर पर आजीविका मिशन की निगरानी करने वाले अधिकारी अब तक क्या कर रहे थे? क्या शिकायतें प्रशासन के संज्ञान में पहले नहीं आईं या शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई?

विधायक को लिखे पत्र ने बढ़ाई

उलझन

मामले का एक और दिलचस्प पहलू सामने आए दस्तावेजों को लेकर है। विधायक ने कलेक्टर को भेजे अपने पत्र में जिस शिकायत का हवाला दिया है, उसके साथ संलग्न पत्र सामने आया है। इस पत्र की शुरुआत प्रति श्रीमती विधायक महोदया से होती है। जबकि शरद जुगलाल कोल ब्योहारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक हैं। इसलिए सामने आए दस्तावेज को लेकर यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर यह पत्र किस जनप्रतिनिधि को संबोधित करके लिखा गया था? क्या यह किसी दूसरे पत्र का हिस्सा है, क्या इसका दूसरा पन्ना संलग्न था या फिर पत्र की प्रतिलिपि में कोई त्रुटि रह गई, इसकी स्थिति संबंधित पक्षों की ओर से स्पष्ट किया जाना बाकी है।

शिकायतों में लगाए गए गंभीर

आरोप

सामने आए शिकायत पत्र में महिलाओं ने नोडल अधिकारी पर कथित रूप से अभद्र एवं अमर्यादित



व्यवहार, गाली-गलौज, धमकी तथा मानसिक दबाव बनाने के आरोप लगाए हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि विरोध करने अथवा अपनी समस्या रखने पर कार्रवाई का भय दिखाया जाता है। महिलाओं का कहना है कि आजीविका मिशन का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है, लेकिन यदि उन्हें ही भय के वातावरण में काम करना पड़े तो मिशन के मूल उद्देश्य पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

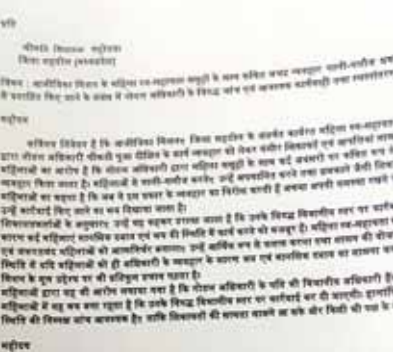
प्रशासन की निगरानी पर खड़े हुए

सवाल

इस पूरे मामले का सबसे बड़ा प्रशासनिक प्रश्न यही है कि यदि एक अधिकारी के कारण इतने बड़े महिला समूह में भय का वातावरण होने की शिकायत सामने आती है तो जिला प्रशासन की जिम्मेदारी कहाँ निर्धारित होती है? किसी भी विभाग में कार्यरत अधिकारी के व्यवहार और अधीनस्थ कर्मचारियों की शिकायतों की निगरानी संबंधित विभागीय अधिकारियों की जिम्मेदारी होती है। ऐसे में यह पता लगाना जरूरी है कि शिकायतें कब-कब की गईं, किस अधिकारी को दी गईं, उन पर क्या कार्रवाई हुई और यदि कोई कार्रवाई नहीं हुई तो क्यों नहीं हुई।

महिला सशक्तिकरण की योजनाओं पर असर

यह मामला महिला सशक्तिकरण की योजनाओं के संचालन से भी सीधे जुड़ा है। प्रदेश सरकार की योजनाओं में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन और सशक्तिकरण पर जोर दिया जाता है। ऐसे में आजीविका मिशन से जुड़ी महिलाओं द्वारा भय के माहौल की शिकायत सामने आना प्रशासन के लिए सामान्य शिकायत नहीं, बल्कि गंभीर संस्थागत सवाल होना चाहिए।



विधायकों के रुख पर भी सवाल

इस मामले में विधायक शरद जुगलाल कोल का पत्र तो सामने आया है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उनके इस पूरे प्रकरण पर विस्तृत सार्वजनिक बयान सामने नहीं आया है। इसी तरह मामले में दूसरे विधायक की भूमिका और उनके पक्ष को लेकर भी स्पष्ट आधिकारिक बयान उपलब्ध नहीं है। ऐसे में दोनों विधायकों के कथित रुख या मंशा को अंतिम तथ्य के रूप में प्रस्तुत करना उचित नहीं होगा। हाँ, यह जरूर सवाल है कि जनप्रतिनिधियों द्वारा किसी अधिकारी के स्थानांतरण की मांग किए जाने के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर इस मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कब होगी।

क्या स्थानांतरण ही समस्या का

समाधान है?

सबसे जरूरी सवाल यह भी है कि क्या स्थानांतरण ही इस विवाद का समाधान है? यदि शिकायतें सही हैं तो केवल अधिकारी को दूसरे ब्लॉक में भेज देना समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। शिकायतों की निष्पक्ष जांच, संबंधित महिलाओं के बयान, अधिकारी का पक्ष और विभागीय रिकॉर्ड सामने लाकर यह तय करना होगा कि वास्तव में गलती किस स्तर पर हुई है। दूसरी ओर यदि आरोप तथ्यहीन पाए जाते हैं तो अधिकारी की प्रतिष्ठा और सेवा संबंधी अधिकारों की भी रक्षा होनी चाहिए।

सकार की जवाबदेही पर भी सवाल

मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव मुख्यमंत्री हैं और राज्य सरकार के आधिकारिक पोर्टलों पर सुशासन तथा महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता वाले विषयों में रखा गया है। ऐसे में शहडोल का यह मामला प्रशासन के सामने एक सीधा सवाल रखता है, यदि एक महिला अधिकारी के खिलाफ महिला समूहों को भयभीत किए जाने जैसी शिकायतें इतनी गंभीर हैं कि विधायक को कलेक्टर से स्थानांतरण

का आग्रह करना पड़ रहा है, तो जिला स्तर पर शिकायतों की सुनवाई और जवाबदेही की व्यवस्था कितनी प्रभावी है?

जांच से ही साफ होगी वास्तविक तस्वीर

मामले की निष्पक्ष जांच ही यह तय कर सकती है कि शिकायतों में कितनी सच्चाई है, लेकिन फिलहाल दस्तावेजों ने कई सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं। इन सवालों का जवाब केवल स्थानांतरण से नहीं, बल्कि पारदर्शी जांच और जिम्मेदारी तय करने से मिलेगा।

सोशल मीडिया में वायरल वीडियो बता रहा हकीकत

इस पूरे विवाद के बीच सोशल मीडिया पर कथित तौर पर दो वीडियो भी वायरल हो रहे हैं। इन वीडियो में एक महिला अधिकारी जैसी दिखने वाली महिला द्वारा अधीनस्थ कर्मचारियों के साथ कथित रूप से आपत्तिजनक एवं अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल करते हुए सुना और देखा जा सकता है। वीडियो में ऐसी तैसी कर दूंगी जैसे कथित आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल का दावा किया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर इन वीडियो को अधिकारी से जोड़कर सोशल मीडिया पर तेजी से प्रसारित किया जा रहा है। हालांकि इन वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और यह भी स्वतंत्र रूप से स्थापित नहीं किया जा सका है कि वीडियो कब, कहाँ और किस परिस्थिति में रिकॉर्ड किए गए थे। वीडियो में दिखाई देने वाली महिला की पहचान और आवाज की भी स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक है। इसलिए वायरल सामग्री को सीधे तथ्य या आरोप की पुष्टि के रूप में नहीं माना जा सकता। इतना जरूर है कि यदि वीडियो वास्तविक हैं और इनमें संबंधित अधिकारी की पहचान स्वतंत्र जांच में स्थापित होती है, तो इनमें दिखाई देने वाला कथित व्यवहार शिकायतों में लगाए गए आरोपों की जांच के लिए महत्वपूर्ण सामग्री हो सकता है। इस संबंध में संबंधित महिला अधिकारी का पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया। उनका पक्ष सामने आने के बाद उसे भी प्रमुखता से प्रकाशित किया जाना चाहिए। मामले में वायरल वीडियो की फोरेंसिक/तकनीकी जांच और विभागीय जांच के बाद ही वास्तविकता स्पष्ट हो सकेगी।

आंगन में सोता रहा परिवार, चोरों ने उड़ाए 70 हजार और जेवर

पुलिस ने आरोपियों को दबोचा
शहडोल। घर के बाहर बेफिक्र होकर सो रहे परिवार की सुध का फायदा उठाकर चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले तीन शातिर चोरों को गोहपारू पुलिस ने बेनकाब कर दिया है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की गई नकदी बरामद कर ली है।

घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक, देवरी नं. 02 निवासी पटवारा सिंह उम्र 55 वर्ष ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि 22-23 जून की दरमियानी रात वे अपनी पत्नी के साथ घर के बाहर आंगन में सो रहे थे। सुबह जब नींद खुली तो घर का मुख्य दरवाजा खुला हुआ था। अंदर जाकर देखा तो कमरे में रखी पेटी का ताला टूटा पड़ा था। चोर पेटी में रखे 70 हजार रुपये नकद, तीन लड़ी चांदी की करघन और एक वीवो मोबाइल फोन पार कर चुके थे।

संदेहियों से सख्ती, तो उगला राज

पीड़ित की रिपोर्ट पर गोहपारू पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। मैदानी सुरागों और



मुखबि्र तंत्र की मदद से पुलिस ने ग्राम पैलवाह के तीन संदेही युवकों लवकुश विश्वकर्मा उम्र 19 वर्ष पिता संजय विश्वकर्मा, मोहन यादव19 वर्ष पिता राममनोहर यादव, दिनेश केवट उम्र 27 वर्ष पिता दीनबंधु केवट तीनों निवासी ग्राम पैलवाह को हिरासत में लिया। पुलिसिया पूछताछ के आगे आरोपी ज्यादा देर टिक न सके और उन्होंने चोरी की बात स्वीकार कर ली। पुलिस ने आरोपियों के मेमोरेंडम के आधार पर उनके कब्जे से नकदी बरामद कर ली है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

पुलिस टीम की हुई सराहना

लगातार दो बड़ी चोरी की वारदातों का पर्दाफाश करने पर गोहपारू पुलिस टीम की सराहना हो रही है। थाना प्रभारी निरीक्षक रामकुमार मिश्रा के नेतृत्व में प्रधान आरक्षक दशरथ सिंह, दलबीर सिंह, विजय कुमार मेहरा तथा आरक्षक अजीत कुमार यादव, राजकुमार रघुवंशी, संजय बैगा और मोनू शर्मा की इस कार्रवाई में भूमिका रही।

वैध रेत उत्खनन पर शहडोल पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 8 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त

शहडोल। ज़िले में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन और अन्य अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में ब्योहारी थाना क्षेत्र के ग्राम रैयकरा स्थित समर्थन नदी घाट पर पुलिस ने अवैध रूप से रेत उत्खनन एवं परिवहन के मामले में कार्रवाई करते हुए 08 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की हैं।

पुलिस के अनुसार, पुलिस अधीक्षक शहडोल डॉ. संजय कुमार अग्रवाल के निर्देश पर अवैध खनन और परिवहन के लिए पुलिस द्वारा वैधानिक कर्रवाई शुरू कर दी है। जस्त खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। समधीन नदी घाट पर अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन की सूचना मिलने के बाद थाना प्रमारी ब्योहारी के निर्देशन में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच की। कार्रवाई के दौरान रेत उत्खनन एवं परिवहन में प्रयुक्त कुल 08 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां मौके से जब्त की गईं। सभी जब्त वाहनों



को सुरक्षा की दृष्टि से थाना परिसर में खड़ा कराया गया है। पुलिस ने मामले में सात संबंधित आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कर्रवाई शुरू कर दी है। जस्त वाहनों में न्यू सोल्ड स्वराज ट्रैक्टर, स्वराज ट्रैक्टर क्रमांक 18- एबी 4333, स्वराज ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 18- एबी-4957, एक अन्य न्यू सोल्ड स्वराज ट्रैक्टर, महिंद्रा युवो ट्रैक्टर क्रमांक 18- एबी 3064, पावरट्रेक ट्रैक्टर और जॉन डियर ट्रैक्टर क्रमांक 18- एबी 0438 शामिल हैं। जॉन डियर ट्रैक्टर से संबंधित वाहन पर 18- एबी 8232 क्रमांक

अंकित होना भी पुलिस ने बताया है। पुलिस के मुताबिक, कार्रवाई के दौरान संबंधित आरोपियों और जब्त वाहनों के संबंध में प्रकरण पंजीबद्ध कर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन जैसी गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।इस कार्रवाई में थाना प्रमारी निरीक्षक अमिलाष मिश्रा के निर्देशन में गठित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। टीम में प्रधान आरक्षक नरेंद्र उपाध्याय, प्रधान आरक्षक अनिल सिंह, प्रधान आरक्षक बिलास खान, आरक्षक वितेक सूर्या, आरक्षक ऋषभ शुक्ला, आरक्षक अभिषेक तिवारी, आरक्षक पंकज मेहरा, आरक्षक सुसुजित सिंह और आरक्षक दीपक रावत शामिल रहे।



तेज रफतार अल्टो ने बाइक को मारी टक्कर, दो युवक घायल

कोतमा। जेएमएस कंपनी कॉलरी खदान से ड्यूटी कर मोटरसाइकिल से कोतमा लौट रहे दो युवकों को कुदरा टोला डेम के पास तेज रफतार अल्टो कार ने टक्कर मार दी। हादसे में मोटरसाइकिल सवार दोनों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। दुर्घटना के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। फरियादी शिवम मिश्रा पिता राजेश कुमार मिश्रा, उम्र 23 वर्ष, निवासी बरहुला कला, उत्तरप्रदेश, हाल स्पाफ गैरेट हाउस कोतमा ने थाना में शिकायत किया कि ड्यूटी समाप्त कर कुशल कश्याप की मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 11 बीई 8153 से घर लौट रहा था। कुदरा टोला डेम के पास सामने से आ रही अल्टो कार क्रमांक एमपी 65 जेडबी 9215 के चालक ने तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिर गए। हादसे में कुशल कश्याप के कमर के दाहिने हिस्से, कूल्हे और रीढ़ के पास गंभीर चोट आई, जबकि शिवम के दाहिने पैर के घुटने में चोट लगी। हादसे के बाद कंपनी की एंबुलेंस से दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा ले जाया गया। गंभीर हालत को देखते हुए कुशल कश्याप को शहडोल के श्रीराम अस्पताल रेफर किया गया, जहां से उके बेहतर उपचार के लिए रायपुर के रामकृष्ण अस्पताल भेजा गया। फिलहाल उसका उपचार जारी है। शिवम की शिकायत पर कोतमा पुलिस ने दुर्घटना की रिपोर्ट दर्ज पर फरार कार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

कुएं में गिरने से वृद्ध महिला की मौत

कोतमा। थाना अंतर्गत चाका गांव में मंगलवार को कुएं में गिरने से 70 वर्षीय वृद्ध महिला की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कुएं से बाहर निकलवाया और पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भिजाया। जांचकारी के अनुसार चाका निवासी रामप्रसाद जायसवाल ने बताया कि मंगलवार सुबह परिवार के लोग खेत गए थे। घर में उनकी 70 वर्षीय मा पार्वती जायसवाल पति बबबू प्रसाद जायसवाल मौजूद थीं। दोपहर करीब तीन बजे घर लौटने पर मां घर में नहीं मिलीं। परिवर्जनों ने आसपास तलाश की, लेकिन उनका पता नहीं चला। इसके बाद जब परिजन कुएं के पास पहुंचे तो पानी में पार्वती जायसवाल का शव उतराता हुआ दिखाई दिया। परिजनों ने तत्काल घटना की सूचना कोतमा पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कुएं से बाहर निकलवाया और आवश्यक पंचनामा कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

शिवसागर धाम से निकली भव्य कांवड़ यात्रा, हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजा नगर



कोतमा। सावन माह के अंतिम एक दिन पहले बुधवार को कोतमा नगर में भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। पीले वस्त्र और कांवड़ लेकर भक्तों द्वारा यात्रा की शुरुआत शिवसागर धाम से किया। इस दौरान पूरा नगर हर-हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गुंज उठा। कांवड़ यात्रा शिवसागर धाम से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकली। रास्तेभर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं ने यात्रा का स्वागत किया। कांवड़ यात्रा मे भारी संख्या मे महिला पुरुष शामिल रहे। नगर भ्रमण के बाद कांवड़ यात्रा वापस शिवसागर धाम पहुंची, जहां विधि-विधान से भगवान शिव का पूजन एवं जलाभिषेक किया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। भव्य कांवड़ यात्रा के चलते पूरे नगर में दिनभर भक्तिमय माहौल बना रहा। आयोजन में श्रद्धालुओं ने बद्ध-चढ़कर हिस्सा लेते हुए भगवान भोलेनाथ से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

उप सरपंच रेखा बुद्ध चौधरी ने सिर पर मंगल कलश धारण कर की अगवानी

ग्राम पकरिया में भक्ति भाव से हुआ संत रविदास समरसता यात्रा का भव्य स्वागत

शहडोल। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती के उपलक्ष्य में पूरे प्रदेश में चलाई जा रही राज्यव्यापी समरसता कलश वंदन यात्रा जनपद पंचायत बुद्धार की ग्राम पंचायत पकरिया पहुंची। यात्रा के गांव की सीमा में प्रवेश करते ही पूरा माहौल संत रविदास जी के जयकारों और भक्तिमय भजनों से गुंज उठा। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों, मातृशक्ति और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने एकत्र होकर यात्रा का जोरदार स्वागत किया। सामाजिक समरसता, समानता और भाईचारे का संदेश लेकर घर-घर तक पहुंचने के उद्देश्य से निकाली जा रही इस यात्रा का पकरिया गांव में अद्भुत उत्साह देखने को मिला।

मातृशक्ति ने की अगवानी, गुंजे मंगल नीत

भारतीय सनातन परंपरा का निर्वहन करते हुए ग्राम पंचायत की उप सरपंच श्रीमती रेखा बुद्ध चौधरी ने स्वयं अपने सिर पर पवित्र मंगल कलश धारण कर यात्रा की अगवानी की। उनके नेतृत्व में गांव की दर्जनों महिलाओं ने पारंपरिक मंगल गीत गाते हुए कलश यात्रा निकाली। इसके पश्चात विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर संत रविदास जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित किए गए और उनका नमन किया गया।

संत रविदास जी के विचार आज भी प्रासंगिक

समारोह को संबोधित करते हुए उप सरपंच श्रीमती रेखा बुद्ध चौधरी ने कहा कि संत रविदास जी ने समाज को बिना किसी भेदभाव के प्रेम, करुणा और समानता के साथ रहने की सीख



दी है। हमारी पंचायत में इस पवित्र कलश का आगमन सभी ग्रामवासियों के लिए अत्यंत सौभाग्य और गर्व की बात है। संत जी का जीवन दर्शन आज के दौर में भी समाज को जोड़ने और एक साथ आगे बढ़ाने की सबसे बड़ी प्रेरणा है।

सामाजिक एकता का सशक्त माध्यम बनी यात्रा

कार्यक्रम में अपने विचार रखते हुए पंचायत के प्रमुख प्रतिनिधि दीपक चौधरी ने कहा कि गुरु रविदास जी का पूरा जीवन मानव कल्याण और सामाजिक एकता के लिए समर्पित था। शासन द्वारा पंचायत स्तर पर संचालित यह समरसता यात्रा समाज में ऊंच-नीच की भावना को समाप्त

कर हर वर्ग को एक सूत्र में पिरोने का काम कर रही है। यह यात्रा संत जी के बताए सत्य और सदाचार के मार्ग पर चलने का जन-अभियान बन चुकी है।

भजन-कीर्तन के बाद बांटा गया प्रसाद

आयोजन के दौरान स्थानीय भाजपा पदाधिकारी, पंचायत सदस्य और सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान संत रविदास जी की रचनों, भजनों और समरसता के नारों से माहौल गुंजायमान रहा। कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया तथा उपस्थित जनसमुदाय ने आपस में भाईचारा और सामाजिक समरसता बनाए रखने का संकल्प लिया।

महर्षि अरविंद घोष जयंती पर व्याख्यानमाला संपन्न



आयोजित किया गया। महर्षि अरविन्द जी के चित्र पर माल्यार्पण कर व दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि बृजेन्द्र पांडे (शारदा मंदिर पुजारी), मुख्य वक्ता अरविन्द शाह बडकरे (एन एस एस प्रमारी महाविद्यालय उमरिया) व हरिनारायण के थाना जिला समन्वयक रविन्द्र शुक्ला, विकासखंड समन्वयक मानपुर श्री मेहन्ड सिंह ताराम, विकासखंड समन्वयक पाली पुष्पा सिंह टंकाम उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा अपने अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम के दौरान महर्षि अरविंद के साहित्य, दर्शन, राष्ट्रवाद और आध्यात्मिक चिंतन पर चर्चा हुई। उपस्थित लोगों ने उनके विचारों को वर्तमान समय में भी प्रासंगिक बताते हुए उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया। कार्यक्रम मे जिले से आये हुए सभी नवंकुर संस्था प्रमुख , समस्त परामर्शदाता, समस्त प्रस्पृचन समिति के साथ छात्र/छात्रा उपस्थित रहे।

ईद मिलादुन्नबी पर निकला भव्य जुलूस, अमन-शांति की मांगी दुआ

कोतमा। ईद मिलादुन्नबी के अवसर पर बुधवार को नगर में मुस्लिम समाज द्वारा विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पर्व को लेकर समाज के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। बनिया टोला, लहसुई कैप एवं गोविंदा कॉलरी स्थित मस्जिद समितियों के लोगों द्वारा सुबह वाडों में रैली निकाली गई। इसके बाद दोपहर में नगर की विभिन्न मस्जिद समितियों एवं मुस्लिम समाज के लोग एकत्र हुए और सामूहिक रूप से जुलूस निकाला। जुलूस रेलवे फाटक तिराहा, स्टेशन चौक, पुराना अस्पताल चौक, पुराना एसबीआई चौक, गांधी चौक, आजाद चौक सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बाजार स्थित



जामा मस्जिद चौक पहुंचा। इस दौरान बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल रहे। जुलूस के समापन अवसर पर नगर में अमन, चैन और शांति के लिए

सामूहिक रूप से दुआ की गई। ईद मिलादुन्नबी पर्व को लेकर प्रशासन एवं पुलिस द्वारा सुबह से ही सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखा गया था। जुलूस के मार्ग पर पुलिस बल तैनात रहा तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मों लगातार व्यवस्था संभालते रहे। सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के दौरान एसडीएम टीआर नाग, एसडीओपी आरती शाक्य, थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। अधिकारियों ने जुलूस के दौरान मार्ग व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। शांतिपूर्ण माहौल में पर्व संपन्न होने पर प्रशासन ने राहत की सांस ली।

स्टोर रूम का ताला तोड़कर चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

बिजुरी। स्टोर रूम का ताला तोड़कर घरेलू सामान चोरी करने वाले शातिर चोर को बिजुरी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर चोरी गया पूरा सामान भी बरामद कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार फरियादी आशीष तिवारी पिता गोपाल तिवारी, उम्र 35 वर्ष, से थाना बिजुरी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसने डबल स्टोरी माइन्स कॉलोनी स्थित क्वार्टर क्रमांक 1016 को घरेलू सामान रखने के लिए अपने कब्जे में रखा था। कमरे में ताला लगा रहता था। 20 अगस्त की रात अज्ञात चोर ने कमरे का ताला तोड़कर अंदर रखा घरेलू सामान चोरी कर लिया। फरियादी ने 25 अगस्त को घटना की रिपोर्ट पुलिस थाने में दर्ज कराई। चोरी गए सामान में रिलायंस कंपनी का 7 लीटर का चांदी रंग का कुकर, पुरानी चांदी की कड़ाही, दो भट्ठियां, लोहे की कड़ाही, तीन बड़े चांदी के गंजे, दो

पीतल की गुंडियां, दो स्टील की बड़ी टंकियां तथा फूल की कटोरी और गिलास शामिल थे। चोरी गए बर्तनों की पहचान इस वजह से भी आसान हुई कि उन पर फरियादी के पिता गोपाल महाराज का नाम टंकित था। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी बिजुरी निरीक्षक विकास सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर माइनस कॉलोनी निवासी अरुण उर्फ मौनू पाटकर को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ



में आरोपी ने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी गया पूरा घरेलू सामान बरामद कर लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) एवं 305(क) के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे विधिवत गिरफ्तार किया और न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

रक्षाबंधन को लेकर कोतमा पुलिस अलर्ट, बाजार में पैदल गश्त कर संभाली यातायात व्यवस्था



महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष जोर, बड़े वाहनों के बाजार में प्रवेश पर लगाई रोक कोतमा। रक्षाबंधन के पावन पर्व को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए कोतमा पुलिस पूरी तरह अलर्ट नजर आई। त्योहार के दौरान बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ और यातायात व्यवस्था को देखते हुए बुधवार को थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल पुलिस बल के साथ नगर के प्रमुख बाजार क्षेत्रों में पैदल गश्त करते नजर आए। इस दौरान पुलिस ने वाहन चालकों और दुकानदारों को आवश्यक समझाइश देते हुए यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। पुलिस टीम ने गांधी चौक, स्टेशन चौक, पंचायती मंदिर रोड, महावीर मार्ग, पुराना स्टेट बैंक रोड, आजाद चौक सहित अन्य प्रमुख मार्गों पर पैदल मार्च किया। इस दौरान संधिध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ व्यापारियों

से भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चर्चा की गई। सड़क किनारे बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों और ठेलों को व्यवस्थित कराया गया, ताकि बाजार में यातायात बाधित न हो और लोगों को आवागमन में बाधा न पड़े। थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व को लेकर जिले से अतिरिक्त पुलिस बल उपलब्ध कराया गया है। प्रमुख स्थानों पर स्थायी निगरानी बिंदु बनाए गए हैं और पुलिस बल द्वारा लगातार गश्त की जा रही है। बाजार क्षेत्र में बड़े वाहनों के प्रवेश पर भी रोक लगाई गई है, ताकि त्योहार के दौरान भीड़ के बीच यातायात सुचारु बना रहे। रक्षाबंधन के अवसर पर बाजारों में महिलाओं और युवतियों की बढ़ने वाली आवाजाही को देखते हुए महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई है। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस जवान विशेष निगरानी रख रहे हैं। संधिध व्यक्तियों और गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के साथ पुलिस द्वारा बाजार क्षेत्र में लगातार भ्रमण किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने नगरवासियों और व्यापारियों से अपील की है कि रक्षाबंधन का पर्व आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं। यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को तत्काल सूचना पुलिस को दें।

12 सितंबर को नेशनल लोक अदालत

उमरिया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बताया कि 12 सितम्बर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर प्री-लिटिगेशन स्तर पर ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। लिटिगेशन स्तर पर ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत एवं आंकलित राशि के भुगतान में चूक किये जाने पर निर्धारण आदेश जारी होने की तिथि से 30 दिवस की अवधि समाप्त होने के पश्चात प्रत्येक छः माही चकवृद्धि दर अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिदर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर 100 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। उन्होंने बताया कि 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में उपरोक्तानुसार दी जा रही छूट सिविल दायित्व राशि रू0 10,00,000 (दस लाख रू) तक के प्रकरणों के लिये सीमित रहेगी। यह छूट समझौता करने के लिये ही लागू रहेगी।

रक्षाबंधन को लेकर सजने लगीं राखी की दुकानें अपने भाइयों की कलाई पर बांधने के लिए बहनें कर रहीं हैं राखी की खरीदारी

कोतमा। रक्षाबंधन का पावन पर्व 28 अगस्त को मनाया जाएगा, जिसको लेकर बाजारों में रौनक बढ़ गई है। बहनों ने उत्साह के साथ राखियों की खरीदारी शुरू कर दी है। उदया तिथि और पंचांग की गणना के अनुसार सावन पूर्णिमा इस दिन सुबह तक विद्यमान रहेगी तथा भद्रा का साया भी नहीं होगा। नगर में रक्षाबंधन पर्व की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बाजारों में राखी, उपहारों और मिठाइयों की दुकानें सज गई हैं। इस पर्व पर बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई उनकी रक्षा का वचन देते हैं। इस त्योहार के लिए बहनें भी तैयारियां कर रही हैं। वे बाजारों में नए-नए डिजाइन की राखियां खरीदने के लिए पहुंच रही हैं। कोतमा नगर में दर्जनों राखी की दुकानें सज गई हैं और बिक्री भी अच्छी हो रही है। बाजार में पांच रुपये से लेकर 180 रुपये तक की राखियां उपलब्ध हैं। इनमें दिल्ली राखी, कलकत्ता राखी, स्टोन राखी, चंदन राखी, रेशम के धागों, जरदोजी, कुंदन, मोतियों और स्टोन वर्क से सजी आधुनिक राखियां शामिल हैं। धार्मिक, पारंपरिक और आधुनिक डिजाइनों में दर्जनों प्रकार की फैसी राखियां बाजार में मौजूद हैं। इन तैयारियों के चलते बाजार में रौनक और चहल-पहल देखी जा रही है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, सबसे पहले रक्षा सूत्र यानी राखी देवराज इंद्र की पत्नी शची इंद्राणी ने असुरों के खिलाफ युद्ध में इंद्र की विजय और रक्षा के लिए उनके हाथ पर बांधा था। हिंदू ग्रंथों में माता लक्ष्मी द्वारा राजा बलि को और द्रौपदी द्वारा श्री कृष्ण को राखी बांधने का भी उल्लेख मिलता है। पंडित सुशील द्विवेदी ने बताया कि इस बार रक्षाबंधन शुक्रवार को पड़ रहा है। इस दिन सुकर्मा योग, शर्तभिषा नक्षत्र और मीन राशि में चंद्रमा की स्थिति रहेगी। इन ग्रह-नक्षत्रों के संयोग को शुभ कार्यों के लिए अनुकूल माना जाता है। ऐसे में भाई की कलाई पर राखी बांधने और पूजा करने के लिए शुभ समय का विशेष महत्व रहेगा। पंचांग के अनुसार 28 अगस्त को सुबह 5:57 बजे से 9:48 बजे तक राखी बांधना शुभ रहेगा। इस अवधि में बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधकर उनकी सुख-समृद्धि और लंबी आयु की कामना कर सकती हैं। शुभ मुहूर्त में पूजा और राखी बांधने से पर्व का धार्मिक महत्व भी बढ़ जाता है। राखी बांधने के बाद अनामिका अंगूली से भाई के कलाई पर तिलक लगाने और आरती करने की परंपरा है। इसके बाद तिलक पर अक्षत लगाकर भाई की लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना की जाती है। भाई के जीवन में मिठास बनी रहे, इसलिए बहन उसे मिठाई खिलाती है। इसके बाद भाई अपनी बहन को उपहार देकर प्रेम और सुखशा का वचन देता है।



दुकान की छत की सीट उखाड़ कर चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार



बिजुरी। दुकान की छत की सीमेंट सीट हटाकर चोरी की वारदात को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व को लेकर जिले से अतिरिक्त पुलिस बल उपलब्ध कराया गया है। प्रमुख स्थानों पर स्थायी निगरानी बिंदु बनाए गए हैं और पुलिस बल द्वारा लगातार गश्त की जा रही है। बाजार क्षेत्र में बड़े वाहनों के प्रवेश पर भी रोक लगाई गई है, ताकि त्योहार के दौरान भीड़ के बीच यातायात सुचारु बना रहे। रक्षाबंधन के अवसर पर बाजारों में महिलाओं और युवतियों की बढ़ने वाली आवाजाही को देखते हुए महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई है। भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पुलिस जवान विशेष निगरानी रख रहे हैं। संधिध व्यक्तियों और गतिविधियों पर कड़ी नजर रखने के साथ पुलिस द्वारा बाजार क्षेत्र में लगातार भ्रमण किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने नगरवासियों और व्यापारियों से अपील की है कि रक्षाबंधन का पर्व आपसी भाईचारे और शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं। यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि को तत्काल सूचना पुलिस को दें।

सीमेंट की सीट हटाकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद चोर दुकान से 5 नग कॉपर बेंडिंग वायर रील, जिनका वजन करीब 4 किलोग्राम था, एक कुलर का एर्जॉस्ट पंखा, एक सीलिंग पंखा, कूलर मोटर का स्टेटर, मिनी कुलर एर्जॉस्ट पंखे के दो स्टेटर तथा तीन सीलिंग पंखों के स्टेटर चोरी कर ले गए। चोरी गए

पर मोहन सिंह गोंड पिता मैकू सिंह गोंड एवं एक अन्य नाबालिग को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने दुकान में चोरी करना स्वीकार किया। उनकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी गया पूरा सामान बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार मामले में शामिल दुसरा आरोपी नाबालिग है, इसलिए किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। बालिग आरोपी को गिरफ्तार कर नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। कार्रवाई में निरीक्षक विकास सिंह, सहायक उपनिरीक्षक प्रभाकर पटेल, सहायक उपनिरीक्षक उदय प्रजापति, प्रधान आरक्षक सतीश मिश्रा, आरक्षक रामनिवास गुर्जर, आरक्षक मनोज उपाध्याय, आरक्षक रवि सिंह तथा साइबर सेल से पंकज मिश्रा की विशेष एवं उल्लेखनीय भूमिका रही।

29 अगस्त को नगर पालिका क्षेत्र उमरिया में शिविर

उमरिया। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत अब 29 अगस्त को नगर पालिका क्षेत्र उमरिया के सभी वार्डों का अधिकारियों द्वारा भ्रमण किया जाएगा तत्पश्चात रानी दुर्गावती भवन में शिविर का आयोजन होगा। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने बताया कि अभियान में नगरीय क्षेत्र उमरिया की सीएम हेल्पलाइन, जनसुनवाई में लंबित शिकायतों के साथ ही शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण किया जाएगा।

प्रधान जिला न्यायाधीश की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

उमरिया। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा जबलपुर के निर्देशानुसार जिला न्यायालय परिसर में आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के संदर्भ में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रियदर्शन शर्मा की अध्यक्षता में एडीआर सेंटर भवन उमरिया के कॉन्फ्रेंस हॉल में सभी न्यायिक अधिकारियों की बैठक संपन्न हुई। बैठक में आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के संदर्भ में चर्चा की गई। चर्चा के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रियदर्शन शर्मा द्वारा समस्त न्यायिक अधिकारियों की उपस्थिति में ज्यादा से ज्यादा प्रकरणों के निराकरण किये जान हेतु निर्देश दिये। बैठक के दौरान प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश नजमा बेगम, द्वितीय जिला न्यायाधीश अहमद रज़ा, तृतीय जिला एवं अपर न्यायाधीश स्वाति कुशल धारीवाल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया मोहन डावर, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट दीपक कुमार अग्रवाल, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड वीणा खलखो, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड आशीष धुवे, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड सरफराज खान, चतुर्थ व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड पल्लवी सिंह एवं प्रशिक्षु न्यायाधीश शुभांशु सोनी, आदि समस्त न्यायाधीशगण उपस्थित रहे।

डोर-टू-डोर संपर्क कर उपभोक्ताओं को लाभ लेने किया जा रहा प्रेरित

कटनी। नगर निगम की जलकर राहत योजना की अधिक से अधिक उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए जलकर वसूली दल द्वारा लगातार डोर-टू-डोर संपर्क अभियान चलाया जा रहा है। दल के कर्मचारी बकायादार उपभोक्ताओं से सीधे संपर्क कर उन्हें योजना की जानकारी देने के साथ कुल बकाया जलकर राशि का 50 प्रतिशत एकमुश्त बकाया जमा कर शेष 50 प्रतिशत की राशि की छूट का लाभ लेने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। योजना के तहत छाये जा रहे अभियान का अक्स भी अब दिखाई देने लगा है, जिसके फलस्वरूप सोमवार को 189 उपभोक्ताओं द्वारा लंबे समय से बकाया जलकर का 50 प्रतिशत भुगतान कर राहत योजना के तहत 50 प्रतिशत शेष राशि में मिलने वाली छूट का लाभ प्राप्त किया। अभियान के तहत छूट योजना में रूचि नहीं दिखाकर बकाया राशि जमा नहीं करने वालों के विरुद्ध कड़ाई दिखाते हुए नल कनेक्शन विच्छेदन की कार्यवाही भी प्रचलित है। नगर निगम द्वारा सीमित अवधि के लिए लागू की गई इस योजना के तहत उपभोक्ताओं को बकाया जलकर की राशि में बड़ी राहत मिल रही है। वसूली दल द्वारा उपभोक्ताओं को यह भी समझाया जा रहा है कि समय रहते बकाया राशि जमा कर योजना का लाभ लिया जाए, ताकि भविष्य में लंबित देनदारी का बोझ एवं अप्रिय कार्यवाही से बचा जा सके।

संक्रामक बीमारियों की रोकथाम हेतु फागिंग कटनी। बारिश के मौसम में मच्छर जनित एवं संक्रामक बीमारियों, विशेषकर डेंगू और मलेरिया की रोकथाम को लेकर नगर निगम प्रशासन द्वारा फागिंग एवं कीटनाशक दवाओं के छिड़काव का अभियान तेज कर दिया गया है। निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार द्वारा समय-सीमा की बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में स्वास्थ्य शाखा द्वारा मंगलवार प्रातः नगर के विभिन्न वार्डों में व्यापक स्तर पर अभियान संचालित किया गया।

जिले में किसानों की महाआंदोलन की तैयारी

उमरिया

भारतीय किसान संघ उमरिया द्वारा 21 जुलाई 2026 को जिला प्रशासन को विभिन्न समस्याओं को लेकर खासकर पाली क्षेत्र में खुलने वाली नई 9 प्राइवेट कॉलरी खदान खनिज खदानों की अनुमिताओं को लेकर जिला प्रशासन को कोयले की पोटली के साथ ज्ञापन प्रस्तुत किया गया था जिसमें 30 दोनों का समय किया गया था लेकिन 30 दिन पूर्व होने के उपरांत भी किसानों की समस्याओं की तरफ कोई पहल नहीं किया गया ।**खनिज क्षेत्र बैठक की सूचना नहीं**विगत 25 अगस्त 2026 को कमिश्नर एवं कलेक्टर उमरिया में कई खदानों के साथ बैठक की किंतु दुर्भाग्यवश किसानों की समस्याओं का

सड़क किनारे बिना कपड़ों के मिला युवक का शव

हरिभूमि न्यूज़ ॥ डीमरखेड़ा

डीमरखेड़ा थाना अंतर्गत ग्राम झिन्ना पिपरिया और भमका के बीच सड़क किनारे एक युवक का नग्न अवस्था में शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही डीमरखेड़ा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और मर्ग कायम कर आगे की कार्रवाई शुरू की। घटनास्थल के पास से मृतक के कपड़े, जूते और पनी में रखी कुछ अन्य सामग्री बरामद की गई है।मृतक के पैरों में केवल मोजे पाए गए। पुलिस की प्रारंभिक जांच के दौरान मृतक की पहचान विजयराघवगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम चपना निवासी रणजीत सिंह के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, रणजीत सिंह की ससुराल डीमरखेड़ा थाना क्षेत्र के ग्राम भमका में है और वह

कुछ दिन पहले ही यहां आया हुआ था। परिजनों ने बताया कि वह घर से किसी काम के सिलसिले में निकला था, जिसके बाद वापस नहीं लौटा। अगले दिन सुबह उसका शव संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे पाया गया। डीमरखेड़ा थाना प्रभारी महिमा रघुवंशी ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर मर्ग कायम किया और परिजनों द्वारा शिनाख्त किए जाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उमरियापान भिजवा दिया गया है।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और प्राथमिक साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस घटना के सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर गहन जांच कर रही है।



पुलिस की चाक-चौबंद सुरक्षा के बीच शांतिपूर्ण संपन्न धूमधाम से निकला ईद-मिलादुन्नबी का जुलूस



बुढ़ार।

ईद-मिलादुन्नबी के पावन पर्व पर बुधवार को नगर धनपुरी से एक ऐतिहासिक जुलूस निकाला गया। यह जुलूस धनपुरी से प्रारंभ होकर बुढ़ार स्थित लाहिया चौक पहुंचा और वहां से पुनः धनपुरी के लिए रवाना हुआ।



ईद-मिलादुन्नबी (मिलाद-उन-नबी) इस्लाम धर्म का एक प्रमुख त्योहार है,पैगंबर मोहम्मद साहब का जन्मोत्सव: यह पर्व इस्लाम के आखिरी पैगंबर, हजरत मोहम्मद साहब के जन्म की खुशी में मनाया जाता है। रबी-उल-अव्वल महीना: इस्लामी कैलेंडर के तीसरे महीने 'रबी-उल-अव्वल' की 12 वीं तारीख को यह पर्व पूरी दुनिया में



अकीदत और एहतराम (श्रद्धा) के साथ मनाया जाता है। शांति और दया का संदेश: इस दिन पैगंबर साहब की दी गई शिक्षाओं—सद्भाव, भाईचारा, गरीबों की मदद और ईसानियत की सेवा को याद किया जाता है। समारोह के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तेद नजर आया। अनुविभागीय पुलिस

अधिकारी (SDOP) विकास पाण्डेय, धनपुरी थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार तथा बुढ़ार थाना प्रभारी संजय कुमार जायसवाल सुरक्षा की दृष्टि से जुलूस के साथ मौजूद रहे। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दोनों थानों का भारी पुलिस बल जुलूस के मार्ग पर तैनात रहा, जिससे पूरा आयोजन सौहार्दपूर्ण और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

रक्षाबंधन की आहट से बुढ़ार का बाजार गुलज़ार राखियों की दुकानों पर उमड़ी बहनों की भीड़



बुढ़ार।

भाई-बहन के पवित्र प्रेम और अटूट विश्वास के प्रतीक रक्षाबंधन

के पर्व को लेकर बुढ़ार नगर में तैयारियां जोरों पर हैं। बुधवार को नगर के मुख्य बाजार में अचानक रौनक बढ़ गई, जहाँ सुबह से ही

राखियों की दुकानों पर खरीददारी के लिए बहनों की भारी भीड़ और लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। त्यौहार के मद्देनजर बाजार में

खास तैयारियों की गई हैं। कोतमा रोड स्थित प्रसिद्ध ‘महेश बजाज होटल’ में ग्राहकों के लिए शुद्ध और ताजा मिठाइयां बनाने का काम युद्ध स्तर पर शुरू हो चुका है। वहीं, स्थानीय लोगों के पसंदीदा ‘शंभू माली राखी वाले’ की दुकान पर इस बार बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए आकर्षक और नए-नए डिजाइन की राखियों की विशाल रेंज उपलब्ध कराई गई है, जो बहनों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। पर्व की नजदीकी को देखते हुए बाजार में चहल-पहल और उत्साह का माहौल बना हुआ है।

आखिर क्यों नहीं हो रही कार्यवाही किसके संरक्षण मे फल-फूल रहा अवैध कारोबार चिल्हारी मे नियम विरुद्ध पैथोलॉजी का हो रहा संचालन

कटघरे में अधिकारियों की कार्य प्रणाली

मानपुर।

ग्रामीण क्षेत्रों में इन दोनों प्रतिदिन सैकड़ों मैरिज अवैध पैथोलॉजी के जाल में फंसकर आर्थिक शोषण का शिकार हो रहे हैं अवैध पैथोलॉजी के कारोबार में समाज के नामी ग्रामीण लोग भी शामिल हैं, लिहाजा उनके खिलाफ प्रशासन कोई कार्यवाही करने से कतराता है मरीजों की जिंदगी पूरी तरह भगवान के रहमों करम पर निर्भर है चिल्हारी में एक तरफ जहां सबसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का हाल बेहाल है वहीं दूसरी तरफ झोलाछाप डॉक्टरों की वजह से मरीजों की जान आफत में है न केवल डॉक्टर बल्कि पैथोलॉजी और एक्सरे का बोर्ड लगाकर पूरे चिल्हारी अमरपुर सहित चिल्हारी में फजी वाड़े का खेल चल रहा है झुगगी झोपड़ी तक में डॉक्टरों के बोर्ड लगे हुए हैं जहां मरीजों का आर्थिक शोषण जारी है मानपुर मुख्यालय के ग्राम चिल्हारी में सेवा पैथोलॉजी विणुकांत यादव के द्वारा ही खून जांच सहित अन्य जांचों के नाम पर टेक्निसयनो ने दुकान खोल रखी है

महीजों पर आर्थिक दबाव

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर से लगे ग्राम



चल्हारा साहत आसपास कई पैथोलॉजी चिकित्सकों के सहारे चल रही हैं अधिकांश मरीजों को रक्त अन्य जांच करने के लिए मजबूर कर देते हैं जहां जरूरत ना हो वहां भी पैथोलॉजी जांच करना अब चिकित्सकों की आदत बन गई है जिससे आर्थिक दबाव मरिज पर पड़ती है मानपुर जनपद मुख्यालय से लगे चिल्हारी में विणु कांत यादव सेवा पैथोलॉजी नामक के नाम से पैथोलॉजी का संचालन धड़ल्ले से किया जा रहा है जो नियमों के विपरीत संचालित हो रही है लेकिन जिम्मेदार जानकर भी अनजान हैं

किराए की डिग्री

स्वास्थ्य विभाग ने जिले में संचालित पैथोलॉजी लैबों को खुली छूट दे रखी है सुप्रीम कोर्ट के नए नियम के अनुसार पैथोलॉजी लैब चलाने के लिए अब सिर्फ एमडी पैथोलॉजिस्ट ही मान्य होंगे लेकिन इसके उलट बी फार्मा वा गायनोकोलॉजी डिग्री वाले लैब चला रहे हैं सूत्रों की माने तो कथित लैब संचालक द्वारा लगाई गई डॉक्टर की डिग्री किराए पर लेकर संचालित की जा रही है खबर है कि उक्त डाक्टर की डिग्री के द्वारा कई पैथोलॉजी संचालित हो रही है

रह कहती है गाइडलाइन

मध्य प्रदेश शासन व इंडियन मेडिकल काउंसिल के प्रावधानों के अनुसार नियमानुसार पैथोलॉजी लैब का संचालन नहीं करने पर संचालकों को पर एफ आई आर करने के साथ कानूनी धाराएं लगाकर कार्यवाही करने का प्रावधान है वहीं सुप्रीम कोर्ट और मेडिकल काउंसिल के अनुसार मेडिकल साइंस में विशेषज्ञ भी वही कहलाएगा जो एमबीबीएस के बाद पीजी डिग्री या डिप्लोमा धारी हो स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर अवैध लैब को प्रतिबंधित करने कितने कारगर कदम उठाए गए हैं यह लैब के संचालन तथा विभाग के दस्तावेजों को देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है

जिम्मेदार मीटिंग में व्यस्त

मानपुर जनपद पंचायत के ग्राम चिल्हारी में विणु कांत यादव नामक सेवा पैथोलॉजी सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में नियमों के विपरीत पैथोलॉजी का संचालन हो रहा है इसके अलावा झोलाछाप सहित अन्य किसी बात को लेकर स्वास्थ्य विभाग के जिम्मेदार जवाब देने से बचने के लिए नए-नए बहाने निकालते रहते हैं जब इस संबंध में बीएमओ मानपुर एनपी जैसल से संपर्क कर जानकारी चाहने की कोशिश की गई तो उनके द्वारा फोन उठाना ही उचित नहीं समझ गया।

ख़बर संक्षेप



बिलासपुर-चिरमिरी एक्सप्रेस और चिरमिरी-चंडिया रोड पैसेंजर में लगोगे आधुनिक एलएचबी कोच

अनूपपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने यात्रियों को बेहतर और सुरक्षित रेल सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। बिलासपुर मंडल से संचालित होने वाली बिलासपुर-चिरमिरी-बिलासपुर एक्सप्रेस और चिरमिरी-चंडिया रोड-चिरमिरी पैसेंजर में अब पारंपरिक कोचों की जगह आधुनिक एलएचबी कोच लगाए जाएंगे। इससे बिलासपुर, चिरमिरी सहित मार्ग के विभिन्न स्टेशनों से सफर करने वाले यात्रियों को अधिक आरामदायक और सुरक्षित यात्रा का लाभ मिलेगा। गाड़ी संख्या 18257/18258 बिलासपुर-चिरमिरी-बिलासपुर एक्सप्रेस में पारंपरिक कोचों के स्थान पर आधुनिक एलएचबी कोच लगाए जा रहे हैं। बिलासपुर से यह ट्रेन 1 नवंबर 2026 से और चिरमिरी से 2 नवंबर 2026 से एलएचबी कोचों के साथ संचालित होगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 58221/58222 चिरमिरी-चंडिया रोड-चिरमिरी पैसेंजर में भी एलएचबी कोच उपलब्ध कराए जाएंगे। चिरमिरी और चंडिया रोड दोनों दिशाओं से यह ट्रेन 2 नवंबर 2026 से एलएचबी कोचों के साथ संचालित होगी। एलएचबी कोच आधुनिक तकनीक पर आधारित हैं और इन्हें यात्रियों की सुविधा व सुरक्षा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। इन कोचों में बेहतर ब्रेकिंग प्रणाली, आधुनिक डिजाइन, बेहतर स्थिरता और उन्नत सुरक्षा व्यवस्था होती है। यात्रा के दौरान झटकों और कंपन को कम करने की व्यवस्था के कारण यात्रियों को अपेक्षाकृत अधिक आरामदायक सफर का अनुभव मिलेगा। एलएचबी कोचों की संरचना और आधुनिक कपलिंग प्रणाली रेल परिचालन को अधिक सुरक्षित बनाने में सहायक है। पारंपरिक कोचों की तुलना में इनका डिजाइन यात्रियों को बेहतर सवारी गुणवत्ता उपलब्ध कराने के साथ रेल संचालन की सुरक्षा को भी मजबूत करता है। बिलासपुर-चिरमिरी रेल मार्ग क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण रेल संपर्क है। इस मार्ग पर चलने वाली ट्रेनों में एलएचबी कोच लगाए जाने से बिलासपुर, चिरमिरी और बीच के विभिन्न स्टेशनों से आवागमन करने वाले यात्रियों को आधुनिक रेल सुविधा मिलेगी। लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए आरामदायक कोच और बेहतर सवारी गुणवत्ता विशेष रूप से लाभकारी होगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा और सुरक्षित रेल परिचालन को प्राथमिकता देते हुए ट्रेनों में आधुनिक तकनीक को लगातार शामिल किया जा रहा है। पुराने पारंपरिक कोचों के स्थान पर एलएचबी कोचों का क्रमिक प्रावधान इसी प्रयास का हिस्सा है। दोनों यात्री ट्रेनों में एलएचबी कोच शुरू होने से रेल यात्रियों को अधिक सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलने की उम्मीद है।

कटने के लिए भेजने की तैयारी का खुलासा, चार टिकानों पर एक साथ दबिश, चार प्रकरण दर्ज

अनूपपुर। जिले में पशुओं की तस्करी और उनके साथ क्रूरता के खिलाफ पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब की सख्ती का असर लगातार देखने को मिल रहा है। एसपी के निर्देश पर जैतहरी पुलिस ने ग्राम लपटा चौधरी टोला में बड़ी कार्रवाई करते हुए चार अलग-अलग स्थानों से 96 मवेशियों को बरामद किया है। मवेशियों को रस्सियों से गर्दन, सींग और पैरों में बांधकर बेहद खराब परिस्थितियों में रखा गया था। पुलिस को मौके पर मवेशियों को वाहनों में लोड कर बाहर भेजने की तैयारी भी मिली। मामले में चार अलग-अलग प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। ग्राम लपटा चौधरी टोला में बड़ी संख्या में भैंस और पड़ों को बिना पर्याप्त चारा-पानी के क्रूरता पूर्वक बांधकर रखने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना में यह भी बताया गया था कि मवेशियों को वाहनों के माध्यम से बाहर ले जाकर कटने के लिए भेजने की तैयारी की जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देश पर तत्काल पुलिस लाइन अनूपपुर, थाना जैतहरी और पुलिस सहायता केंद्र वेंकटनगर के बल की चार टीमें बनाई गई और गांव में एक साथ दबिश दी गई। पहली टीम ने संजय चौधरी निवासी लपटा के बाड़े की जांच की। यहां 12 भैंस और दो भैंसा, कुल 14 मवेशी रस्सियों से बंधे मिले। मौके पर महिंद्रा पिकअप वाहन क्रमांक एमपी-18-जेडएफ-8176 भी मिला। पुलिस के अनुसार वाहन में मवेशियों को लोड करने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान एक व्यक्ति को मवेशी को डंडे से मारकर वाहन में चढ़ाने का प्रयास करते हुए पकड़ा गया। पूछताछ में उसकी पहचान अतुल कुमार पिता लेखनलाल



चौधरी, उम्र 20 वर्ष, निवासी लपटा के रूप में हुई। दूसरी टीम ने मोहित चौधरी के बाड़े में दबिश दी तो यहां 9 भैंसा और 18 भैंस, कुल 27 मवेशी रस्सियों से बंधे मिले। मौके पर मौजूद तीर्थस्थान सिंह पिता दुर्गा सिंह, उम्र 28 वर्ष, निवासी पड़ौर थाना भालूमाड़ा से पुलिस ने पूछताछ की। उसके द्वारा मवेशियों को लोड करने के लिए वाहन का इंतजार करने की बात बताई गई। पुलिस ने सभी मवेशियों को सुरक्षित कब्जे में लिया।

तीसरी टीम ने दादूराम चौधरी निवासी लपटा के बाड़े की जांच की। यहां 14 भैंसा और छह भैंस, कुल 20 मवेशी क्रूरता पूर्वक बंधे मिले। मौके पर संजय गुप्ता पिता हीरालाल गुप्ता, उम्र 28 वर्ष, निवासी पड़ौर थाना भालूमाड़ा मिला। पूछताछ में उसने भी मवेशियों को लोड करने के लिए वाहन का इंतजार करने की बात कही। पुलिस के अनुसार मवेशियों के लिए पर्याप्त चारा-पानी की व्यवस्था नहीं थी और उन्हें खराब परिस्थितियों में रखा गया था। चौथी टीम ने उदल चौधरी के बाड़े में कार्रवाई की। यहां 20 भैंस और 15 भैंसा, कुल 35 मवेशी बंधे मिले। मौके पर काशीराम पिता दादूराम चौधरी, उम्र 26 वर्ष, निवासी लपटा चौधरी मोहल्ला मिला। पुलिस पूछताछ

में उसने मवेशियों को बाहर भेजने के लिए वाहन का इंतजार करने की बात बताई। इस कार्रवाई के साथ चारों स्थानों से बरामद मवेशियों की संख्या 96 पहुंच गई। पुलिस के अनुसार सभी स्थानों पर मवेशियों को रस्सियों से गर्दन, सींग और पैरों में बांधकर रखा गया था। कई मवेशी कीचड़ में बंधे मिले। उनके लिए पर्याप्त चारा-पानी की व्यवस्था नहीं थी। पुलिस ने सभी 96 मवेशियों को विधिवत जब्त कर ग्राम लपटा गौशाला में सुरक्षार्थ रखवाया। इसके साथ ही मवेशियों का चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया गया। कार्रवाई के दौरान मिले महिंद्रा पिकअप वाहन को भी जब्त कर थाना परिसर में सुरक्षार्थ रखा गया है। मवेशियों को क्रूरता पूर्वक बांधकर रखने तथा उनके लिए उचित चारा-पानी की व्यवस्था नहीं करने के मामले में पुलिस ने पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 की धारा 11(1)(घ), (ड) तथा मध्यप्रदेश कुषक पशु परिरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत चार पृथक प्रकरण दर्ज किए हैं। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब द्वारा जिले में अवैध गतिविधियों, पशु तस्करी और अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए थाना प्रभारियों को लगातार सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए जा रहे हैं। लपटा

में हुई यह कार्रवाई भी उसी अभियान का हिस्सा मानी जा रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने त्वरित रणनीति बनाकर चार टीमों के माध्यम से एक साथ दबिश दी, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में मवेशियों को सुरक्षित बरामद किया जा सका। पुलिस ने चार प्रकरण दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। कार्रवाई के दौरान मिले व्यक्तियों से पूछताछ के आधार पर मवेशियों के स्वामित्व, उन्हें एकत्र करने और बाहर भेजने की तैयारी से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि मवेशियों को कहां और किस उद्देश्य से ले जाने की तैयारी थी। कार्रवाई में थाना प्रभारी जैतहरी निरीक्षक गोकुलानंद पाण्डेय, चौकी प्रभारी वेंकटनगर उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार साहू, उपनिरीक्षक जे.पी.एच. तिकी, उपनिरीक्षक मणिराज सिंह, उपनिरीक्षक सुरेश कुमार अहिरवार, सहायक उपनिरीक्षक जयसिंह, श्रीश्याम शुक्ला, विनोद विश्वकर्मा, सुरेश कुमार कोरी, सतीष द्विवेदी, जगत सिंह, चालक प्रधान आरक्षक दिनेश पाटिल, आरक्षक राहुल कंसाना, नरेन्द्र जाट, मनीष सिंह तोमर, राजेश पाल, चालक सनू मेहरा सहित पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

घर की बाड़ी से चोरी का खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार रामनगर पुलिस ने 25 हजार रुपये का चोरी गया सामान किया बरामद

राजनगर। रामनगर थाना क्षेत्र के ग्राम अमाडांड में घर के पीछे बाड़ी से सबमर्सिबल पंप, स्टार्टर, बिजली का तार और पाइप चोरी करने के मामले का पुलिस ने त्वरित खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गया करीब 25 हजार रुपये का पूरा सामान बरामद करने के साथ ही वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार ग्राम अमाडांड निवासी श्याम कुमार चौहान ने थाना रामनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 13 अगस्त 2026 की दरमियानी रात अज्ञात चोर उसके घर के पीछे स्थित बाड़ी में लगे सबमर्सिबल पंप, स्टार्टर, बिजली का तार एवं पाइप चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत करीब 25 हजार रुपये बताई गई। फरियादी की रिपोर्ट पर रामनगर पुलिस ने अपराध क्रमांक 246/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 302(2) में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। विवेचना के दौरान पुलिस को मुखबिर से आरोपियों के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना मिली। सूचना के आधार पर पुलिस ने दो संदिग्ध युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में दोनों ने चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने चरण प्रसाद केवट, पिता रामनाथ केवट, उम्र 21 वर्ष तथा ललित केवट, पिता लोकनाथ केवट, उम्र 25 वर्ष, दोनों निवासी ग्राम अमाडांड को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी गया सबमर्सिबल पंप, स्टार्टर, बिजली का तार एवं अन्य सामान बरामद किया गया। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल क्रमांक



एमपी 65 एमए 9026 भी जब्त की गई है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी कोतमा आरती शाक्य के मार्गदर्शन में कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी सुमित कौशिक के नेतृत्व में गठित टीम में सहायक उप निरीक्षक विनोद नाहर एवं आरक्षक सुमताक शामिल रहे। पुलिस टीम ने सूझबूझ और तत्परता से कार्रवाई करते हुए चोरी के मामले का खुलासा किया।

जर्जर हुडको आवासों में जान जोखिम में डालकर रह रहे लोग, कमी भी हो सकता है बड़ा हादसा नगर परिषद की संपत्ति पर बिना आवंटन रह रहे लोगों का मामला न निरीक्षण न मरम्मत, जिम्मेदार अधिकारी बेखबर

अमरकंटक। पवित्र नगरी अमरकंटक नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 2 बराती में तत्कालीन विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) द्वारा वर्ष 88-89 में निर्मित हुडको आवास इन दिनों बदहाल और जर्जर स्थिति में पहुंच चुके हैं। इन आवासों में कुछ लोग बिना विधिवत आवंटन के रह रहे हैं और अत्यंत जर्जर भवनों में अपनी जान जोखिम में डालकर जीवन गुजारने को मजबूर हैं। भवनों की स्थिति ऐसी है कि कभी भी कोई गंभीर दुर्घटना घटित होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। बताया जाता है कि उक्त आवास भवन वर्तमान में नगर परिषद अमरकंटक के स्वामित्व की संपत्ति हैं। इसके बावजूद नगर परिषद द्वारा इन भवनों का नियमित निरीक्षण, देखरेख अथवा आवश्यक रखरखाव नहीं किया जा रहा है। जर्जर भवनों की स्थिति लगातार खराब होती जा रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी इस गंभीर मामले की ओर आंखें मूंदे बैठे नजर आ रहे हैं।

बिना आवंटन रह रहे लोगों की सुरक्षा भी सवाल के घेरे में

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि कुछ मजदूर वर्ग के लोग बिना विधिवत आवंटन के इन आवासों में रह रहे हैं। ऐसे में यह सवाल भी उठ



रहा है कि नगर परिषद की संपत्ति पर बिना वैध आवंटन के लोगों को रहने की अनुमति किस आधार पर मिली और संबंधित विभाग द्वारा अब तक इसकी जांच क्यों नहीं की गई? सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि जर्जर भवनों में रहने वाले लोगों द्वारा भी आवासों के आवश्यक सुधार एवं मरम्मत की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। दूसरी ओर, संपत्ति के स्वामी के रूप में नगर परिषद द्वारा भी भवनों की वास्तविक स्थिति का जायजा लेकर

11वीं राज्य स्तरीय कूडो चैंपियनशिप में अनूपपुर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

17 पदक जीतकर बढ़ाया जिले का गौरव

हरिभूमि न्यूज़ अनूपपुर।

इंदौर के शुभ शगुन गार्डन में 21 से 23 अगस्त तक आयोजित 11वीं मध्य प्रदेश राज्य स्तरीय कूडो चैंपियनशिप में अनूपपुर जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 17 पदक अपने नाम किए। प्रतियोगिता में प्रदेश के 25 जिलों से करीब 550 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। अनूपपुर से 24 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रभावी प्रदर्शन किया। अनूपपुर के खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 2 स्वर्ण, 5 रजत और 10 कांस्य सहित कुल 17 पदक जीतकर जिले को गौरवान्वित किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से जिले के खेल प्रेमियों और खेल जगत में खुशी का माहौल है। अनूपपुर की श्रेया गुप्ता और मान्या रायदास ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबलों में शानदार जीत दर्ज की और स्वर्ण पदक हासिल किया। अंकित राठौर, साक्षी बैमा, रुद्र प्रताप सिंह, अनिरुद्ध प्रताप सिंह और अर्श राठौर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किए। खिलाड़ियों ने कड़े मुकाबलों में



अपनी तकनीक, आत्मविश्वास और अनुशासन का परिचय दिया। कांस्य पदक हासिल करने वाले खिलाड़ियों में शिवानी

केसरवानी, भारती मार्को, शिवम राठौड़, रंजीत सिंह सूर्यवंशी, साधना आमों, अपूर्वा शर्मा, आयुष सिंह, अरमान सिंह राठौड़,

हाथियों के आतंक से दहशत में अनूपपुर के ग्रामीण विधायक विसाहूलाल सिंह ने मुख्यमंत्री से की टोस कार्रवाई की मांग

छत्तीसगढ़ से आने वाले हाथियों के मार्ग पर गहरी खाई और टेंच लाइन बनाने का आग्रह घूम रहे हाथियों को रेस्क्यू कर राष्ट्रीय उद्यानों में छोड़े जाने की मांग

अनूपपुर। जिले में छत्तीसगढ़ की सीमा से लगातार प्रवेश कर रहे हाथियों के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ती जनहानि और फसलों के नुकसान को लेकर विधानसभा क्षेत्र-87 अनूपपुर के विधायक एवं मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री विसाहूलाल सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाने की मांग की है। विधायक ने मुख्यमंत्री से हाथियों के आवागमन को रोकने के लिए सीमा क्षेत्र में गहरी खाई एवं टेंच लाइन बनाए जाने तथा वर्तमान में जिले में विचरण कर रहे हाथियों को रेस्क्यू कर अन्य प्रांतों के राष्ट्रीय उद्यानों में छोड़े जाने का आग्रह किया है। विधायक विसाहूलाल सिंह ने मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में बताया है कि जिला अनूपपुर के अंतर्गत विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर के कुछ हिस्से तथा कोतमा एवं पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के कुछ अंश छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा से लगे हुए हैं। छत्तीसगढ़ राज्य के वनमंडल एवं वनपरिक्षेत्र मरवाही के सिवनी बीच अंतर्गत मलागढ़ी के जंगल से हाथियों का झुंड अनूपपुर पर कर ग्राम पंचायत एवं वनबीट चोलना होते हुए विधानसभा क्षेत्र अनूपपुर में प्रवेश करता है। हाथियों के इस आवागमन से क्षेत्र के ग्रामीण लगातार

परेशान हैं। हाथी ग्रामीणों की फसलों, घरों तथा बाड़ियों में लगी सब्जियों को अपना आहार बनाते हुए भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। इसके साथ ही सामने आने वाले ग्रामीणों पर हमला कर उन्हें कुचल देते हैं, जिससे कई लोगों की जान भी जा चुकी है। विधायक ने पत्र में कहा है कि हाथियों के आवागमन को रोकना तथा ग्रामीणों की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना अत्यावश्यक है।

15 वर्षों में 17 ग्रामीणों की मौत का उल्लेख

विधायक ने मुख्यमंत्री का ध्यान जिले में हाथियों के हमलों से हुई गंभीर जनहानि की ओर भी आकर्षित किया है। पत्र के अनुसार अप्रैल 2011 से 30 अप्रैल 2026 के मध्य हाथियों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में हमला कर 17 लोगों को जान से मार दिया गया, जबकि अनेक घरों को उजाड़कर उनमें रखे अनाज एवं महुआ को हाथियों ने अपना आहार बनाया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि हाथियों के हमलों में अब तक मृत 17 लोगों में 12 पुरुष, 4 महिलाएं और 1 बालक शामिल हैं। इसके अलावा कई मवेशियों को भी हाथियों द्वारा पटक-पटक कर मार डाला गया है। लगातार हो रही इन घटनाओं के कारण ग्रामीणों के बीच भय और दहशत का माहौल बना हुआ है।

गांवों में घुसकर फसलों को कर रहे नष्ट

विधायक ने पत्र में बताया कि 16 अगस्त को भी तीन हाथियों का झुंड इसी रास्ते से अनूपपुर जिले में पुनः प्रवेश कर गया। हाथियों ने ग्राम पंचायत चोलना, पड़रिया, कुकुरंगौड़ा, धनगवां, चोई, भटगवां टोला, चौधरियान टोला तथा पड़बनिया टोला के किसानों के खेतों में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचाया। कई स्थानों पर हाथियों द्वारा फसलों को खाने के साथ-साथ उन्हें पैरों से कुचलकर नष्ट किया जा रहा है। वर्तमान में हाथियों का झुंड घुसरिया बीट के लेगरा पहाड़ के जंगल में ठहरा हुआ बताया गया है। इससे आसपास के क्षेत्रों में हाथियों के विचरण की आशंका बनी हुई है और ग्रामीणों में लगातार भय एवं चिंता का वातावरण है।

स्थानीय लोग रेस्क्यू कर हाथियों को दूर छोड़ने को मजबूर

पत्र में विधायक ने यह भी उल्लेख किया है कि हाथियों के लगातार आतंक और जनहानि के चलते स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों द्वारा हाथियों को रेस्क्यू कर दूसरे प्रांतों में छोड़े जाने की मांग की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि हाथियों के आवागमन के स्थायी मार्ग को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाले समय में जनहानि और संपत्ति के नुकसान की घटनाएं और बढ़ सकती हैं। इसी गंभीर स्थिति को देखते हुए विधायक विसाहूलाल सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से आग्रह किया है कि छत्तीसगढ़ राज्य के वनमंडल एवं वनपरिक्षेत्र मरवाही के सिवनी बीट अंतर्गत

मलागढ़ी के जंगल तथा मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले की सीमा के बीच हाथियों के आवागमन वाले मार्ग पर गहरी खाई (टेंच लाइन) का निर्माण कराया जाए। उनका मानना है कि इस तरह हाथियों के नियमित आवागमन वाले रास्ते को नियंत्रित किया जा सकेगा और छत्तीसगढ़ की ओर से अनूपपुर जिले में हाथियों के प्रवेश की घटनाओं में कमी लाई जा सकेगी।

राष्ट्रीय उद्यानों में छोड़े जाएं हाथी

विधायक ने मुख्यमंत्री से यह भी अनुरोध किया है कि वर्तमान में अनूपपुर जिले में घूम रहे हाथियों को वन विभाग के माध्यम से सुरक्षित रूप से रेस्क्यू कराया जाए तथा उन्हें अन्य प्रांतों के राष्ट्रीय उद्यानों में छोड़े जाने की व्यवस्था की जाए। विधायक ने मुख्यमंत्री से ग्रामीणों की जान-माल की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए इस दिशा में शीघ्र आवश्यक कार्रवाई किए जाने की अपेक्षा जताई है। उनका कहना है कि सीमा क्षेत्र में स्थायी सुरक्षा व्यवस्था, हाथियों के आवागमन वाले मार्ग पर टेंच लाइन तथा वर्तमान में विचरण कर रहे हाथियों का सुरक्षित रेस्क्यू ही ग्रामीणों को लगातार बनी हुई दहशत से राहत दिलाने की दिशा में प्रभावी कदम साबित हो सकता है। विधायक विसाहूलाल सिंह का मुख्यमंत्री को लिखा यह पत्र ऐसे समय में सामने आया है, जब अनूपपुर जिले के सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में हाथियों की सक्रियता लगातार चिंता का विषय बनी हुई है। अब ग्रामीणों की निगाहें शासन-प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हैं।

